रेगिस्तानी क्षेत्र

थार रेगिस्तान भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र के 10 प्रतिशत हिस्से में है। यह दुनिया का सातवां सबसे बड़ा रेगिस्तान है। थार दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला रेगिस्तान है। हाल के दिनों में इस क्षेत्र में बाढ़ देखी गई है

आबादी

कुल **50** मिलियन

ग्रामीण **70%** शहरी **30%**

भूमि उपयोग

बोया गया कुल क्षेत्र **45.7%**

वन **23.8%**

आजीविका

50% कृषि पर निर्भर

22.7% सेवा क्षेत्र पर

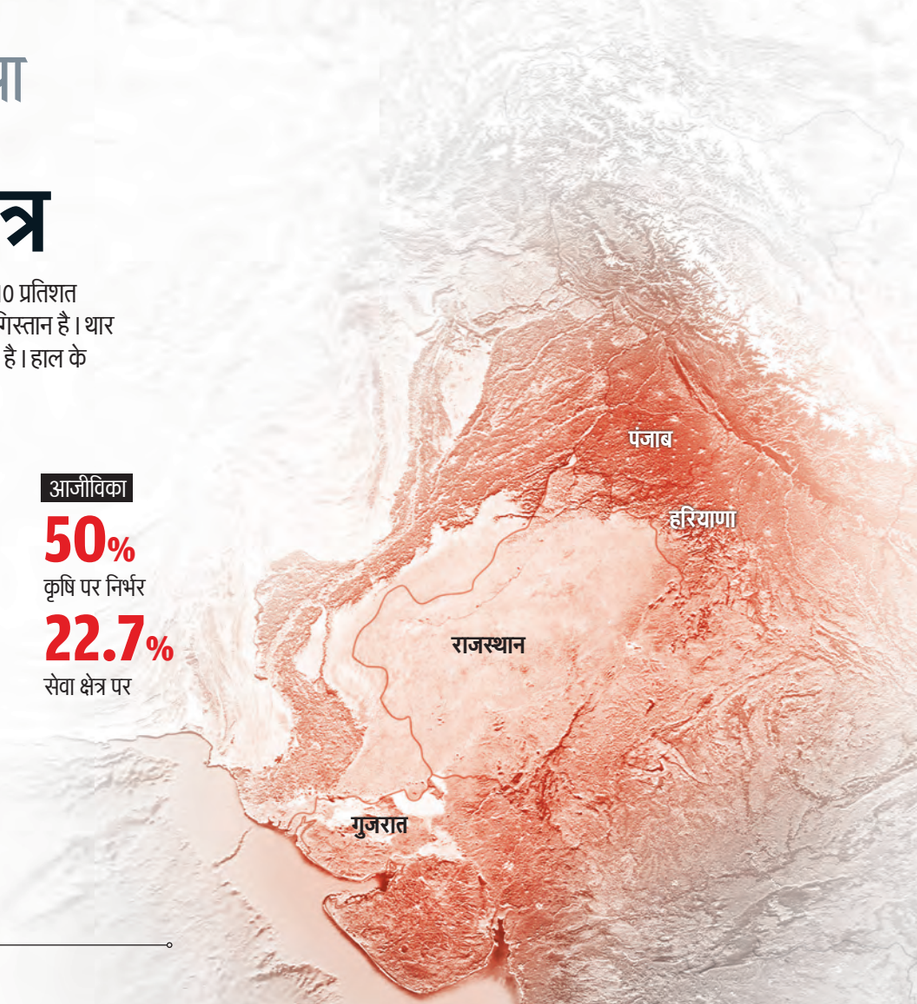

राज्यवार अनुमान और प्रभाव

गुजरात

न्यूनतम औसत तापमान में कमी

0.5 डिग्री सेल्सियस (1891–1996 आंकड़ों के आधार पर)

अधिकतम औसत तापमान में वृद्धि

0.5 डिग्री सेल्सियस (1891–1996 आंकड़ों के आधार पर)

प्रभाव और संवेदनशीलता

- राज्य में गर्मी अधिक होगी और पानी की कमी होगी
- कच्छ और सौराष्ट्र की लूनी और पश्चिम में बहती नदियों में पानी की कमी
- माही और साबरमती नदियों में सूखे की गंभीरता 2050 तक 5% और 20% के बीच बढ़ जाएगी

राजस्थान

तापमान में वृद्धि

2–2.5% (2021–50 तक)

वर्षा की आवृत्ति और तीव्रता अत्यधिक होने की उम्मीद है, 2071–2100 के दौरान अधिकतम एक दिवसीय वर्षा में 20 मिमी की वृद्धि और अधिकतम पांच दिन की वर्षा में 30 मिमी वृद्धि हो सकती है

प्रभाव और संवेदनशीलता

- पश्चिमी राजस्थान में गंभीर और बहुत गंभीर सूखे होंगे
- 2050 तक कृषि के लिए पानी का हिस्सा 83% से घटकर 70% हो जाएगा

जलवायु परिवर्तन के रुझान

अधिकतम तापमान में बदलाव (1961–90 की तुलना में 2021–50)

2050 तक अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस–2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है

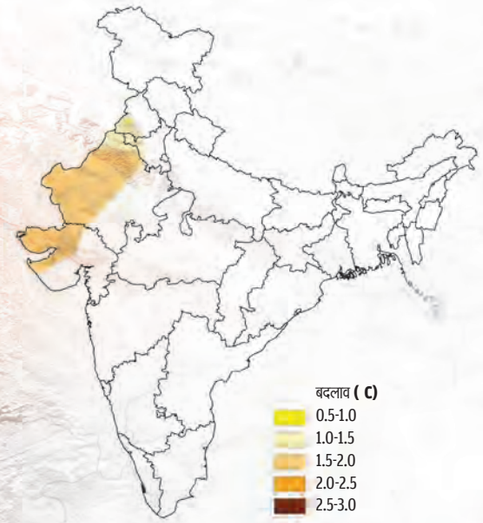

अधिकतम तापमान में बदलाव (1961–90 की तुलना में 2071–98 तक)

राजस्थान में अधिकतम तापमान 4–4.5 डिग्री सेल्सियस और सदी के अंत तक गुजरात में 3–3.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ने की संभावना है

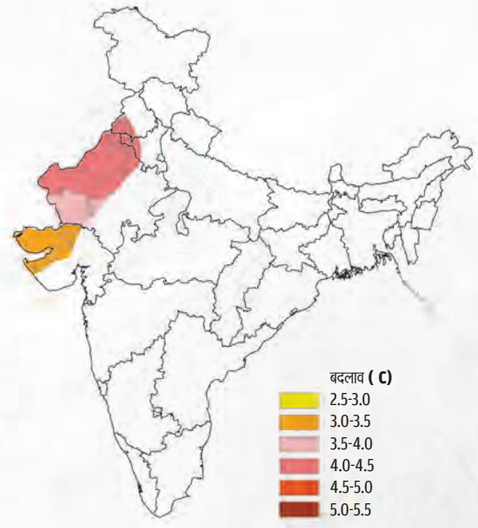

सूखा

राजस्थान के हिस्सों और गुजरात के कच्छ क्षेत्र में सूखे की घटना की सबसे ज्यादा संभावना है

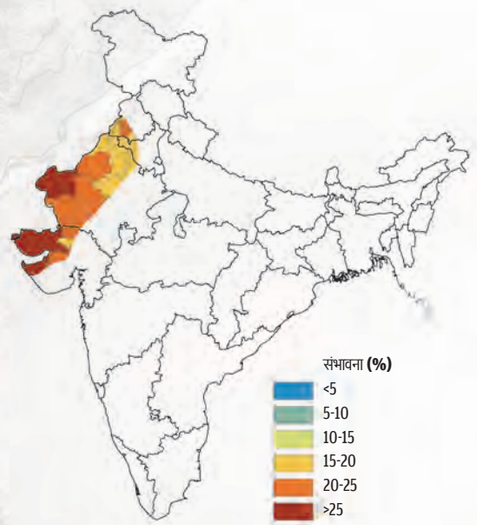

स्रोत : राम राव सीए, एट अल, एटलस ऑन वलनरबिलिटी ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर टु क्लाइमेट चेंज, सेंट्रल रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर ड्रायलैंड एग्रीकल्चर, हैदराबाद, 2013

जम्मू-कश्मीर के बाद राजस्थान दूसरा राज्य है जहां शीत लहरों में वृद्धि हुई है